>

Title: Need to give environmental clearance to Srinagar hydro-electric project in Uttarakhand.

**श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल) :** मैं हाल ही में उत्तरी ग्रिड फेल होने की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ। इस ग्रिड के फेल होते ही 9 राज्यों में अंधेरा छा गया। दिल्ली की मैट्रो रूक गई। रेलगाड़ियां जहां–तहां रूक गई, अस्पतालों में जरूरी ऑपरेशन टल गये, लोग बिना बिजली, बिना पानी भी हो गये तथा हवाई यात्रा भी रूक गई। ऐसे में ऊर्जा आवश्यकता का बोध होता है कि यह कितनी जरूरी है। उत्तराखण्ड सहित कई राज्यों में आज भी 10–10 घण्टे बिजली की कटौती होती है। जिस राज्य को ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित किया जाना था, आज वहाँ 90 प्रतिशत तक पूरी हो चुकी जल विद्युत परियोजनाओं को रोक दिया गया है। मेरे संसदीय क्षेत्र की श्रीनगर जल विद्युत परियोजना का निर्माण जो 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है उसे सेक्शन–5 लगा कर रोक दिया गया है। इसी प्रकार अन्य कई परियोजनाएं हैं जो कि 50 प्रतिशत से ऊपर बन चुकी हैं, उन्हें भी सेक्शन–5 से रोक दिया गया है। आज समय की मांग है कि इन परियोजनाओं पर से सेक्शन–5 हटाकर इन्हें पूरा कर इनसे विद्युत उत्पादन किया जाये। उत्तराखण्ड राज्य जल विद्युत की अपार संभावना रखता है जो कि भविष्य में ऊर्जा के लिए अत्यंत आवश्यक भी है। ऐसे में इस प्रकार परियोजनाओं को रोका जाना राज्य के साथ–साथ राष्ट्र विकास को भी प्रभावित करता है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा जल विद्युत परियोजनाओं पर से सेक्शन–5 हटवाया जाये, जिससे इन परियोजनाओं से राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके साथ ही स्थानीय हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके।